This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 6143A

Unique Paper Code : 205403 E

Name of the Paper : हिंदी उपन्यास

Name of the Course : बी.ए. (आनर्स) हिंदी

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. "'कर्मभूमि' उपन्यास तत्कालीन सामाजिक चेतना को प्रतिबिम्बित करता है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । 12

अथवा

भाषा-शैली की दृष्टि से 'कर्मभूमि' का विवेचन कीजिए ।

2. "'झांसी की रानी' उपन्यास में इतिहास और कल्पना का सुन्दर संयोजन है ।" विचार कीजिए । 12

अथवा

'पचपन खंभे लाल दीवारें' उपन्यास के आधार पर सुषमा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

P.T.O.

3. यथार्थ-बोध की दृष्टि से 'तमस' की समीक्षा कीजिए । 12

अथवा

"भीष्म साहनी का उपन्यास 'तमस' देश-विभाजन का एक प्रामाणिक दस्तावेज है ।" स्पष्ट कीजिए ।

4. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×8=24

(क) सकीना की घोर दरिद्रता देखकर वह आहत हो उठा था । वह विद्रोह जो कुछ दिनों उसके मन में शांत हो गया था फिर दूने वेग से उठा । वह धर्म के पीछे लाठी लेकर दौड़ने लगा । धन के बंधन का उसे बचपन ही से अनुभव होता आया था । धर्म का बंधन उससे कहीं कठोर, कहीं असह्य, कहीं निरर्थक था । धर्म का काम संसार में मेल और एकता पैदा करना होना चाहिए । यहाँ धर्म से विभिन्नता और द्वेष पैदा कर दिया है । मैं चोरी करूँ, खून करूँ, धोखा दूँ, धर्म मुझे अलग नहीं कर सकता । अछूत के हाथों से पानी पी लूँ, धर्म छू-मंतर हो गया । अच्छा धर्म है ।

(ख) पठानिन की गिरफ्तारी ने शहर में ऐसी हलचल मचा दी, जैसी किसी को आशा न थी । जीर्ण वृद्धावस्था में इस कठोर तपस्या ने मृतकों में भी जीवन डाल दिया, भीरु और स्वार्थ सेवियों को भी कर्मक्षेत्र में ला खड़ा किया । लेकिन ऐसे निर्लज्जों की अब भी कमी न थी, जो कहते थे — इसके लिए जीवन में अब क्या धरा है । मरना ही तो है । बाहर न मरी जेल में मरी । हमें तो अभी बहुत दिन जीना है, बहुत कुछ करना है, हम आग में कैसे कूदें ?

(ग) कमल के असंख्य फूल भारतवर्ष भर की छावनियों में फैल गए । कमल फूलों का राजा है । सरस्वती की महानता, लक्ष्मी की विशालता उसके पराग और केसर में कहीं अदृष्ट रूप से निहित है । वह हिन्दुस्तान की प्रकृति का, संस्कृत का मृदुल, मंजुल, मांगलिक और पावन प्रतीक है । उसका रंग हल्का लाल है । वह बिल्कुल रक्त नहीं है । हिन्दुस्तान में होने वाली क्रांति खूनी जरूरी थी, परन्तु इस खूनी क्रांति के गर्भ में मंजुलता और पावनता गड़ी हुई थी ।

(घ) अनायास ही नील से जो नाता जुड़ गया, उसकी जड़ें कितनी शीघ्र, कितनी गहराई तक पहुँच गई थीं इसका अनुमान सुषमा को स्वयं न था । नील उसे प्रिय था, उसने यह बात स्वीकार कर ली थी । वह कहानियों की उस शापग्रस्ता राजकुमारी की भाँति थी, जो नील के स्पर्श से जाग उठी थी । कभी-कभी नील के मुख पर भावों के उतार-चढ़ाव को देखकर उसे अपने पर आश्चर्य होता । क्या किसी और को इतना सुख देने, किसी के मुख पर इतनी कोमलता लाने की क्षमता उसमें है ?

(ङ) नत्थू ने फिर एक बार अपनी जेब छूकर देखी । नोट चरमराया । उसे तसल्ली हुई । भला हो मुराद अली का जो पहले ही सारी की सारी रकम दे गया वरना अगर अठन्नी हाथ पर रखकर बाकी रकम बाद में देने को कह जाता तो नत्थू चमार उसका कर ही क्या सकता था । मुराद अली ज़बान का पक्का निकला तो नत्थू को भी अपनी ज़बान का पक्का होना चाहिए था । पर वह उस दड़बे से भाग आया था, जबकि उसने मुराद अली से कसम खाकर कहा था कि वह वहाँ पर उसका इन्तजार करेगा । उस कोठरी में उसका दम घुटने लगा था । पर शहर में पहुँचने की देर थी कि उसका खून ठंडा पड़ गया था, जगह-जगह सुअर की चर्चा हो रही थी ।

(च) घर का अंधेरा बरामदा लाँघते हुए उसे स्निग्धता का भास हुआ । इस अंधेरे बरामदे में वह बहुत दिन बाद आया था । घर की सुपरिचित महक उसे अच्छी लगी । वर्षों पहले जब वह रघुनाथ के साथ बरामदा लाँघकर अन्दर आया करता था तो उसकी छोटी बेटी मुँह में उँगली दबाए देर तक उसकी ओर ताकती रहती थी । फिर दोनों बाँहें उठा देती थी कि मुझे गोद में उठा लो । हर बार वह आता तो वह भागती हुई बरामदे के सिरे पर आ जाती थी और दोनों बाँहें उठाकर हँसने लगती थी । इसी बरामदे को लाँघते समय घर की जवान औरतें दरवाजे की ओर से अंदर भाग जाया करती थीं, ...

5. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15

(1) "राग दरबारी आधुनिक भारतीय जीवन की मूल्यहीनता को निर्ममता से दर्शाता है ।" विवेचन कीजिए ।

(2) वैद्य जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(3) 'जहाज़ का पंछी' के कथानक की समीक्षा कीजिए ।

(4) 'जहाज़ का पंछी' का शिल्पगत विवेचन कीजिए ।

(5) 'कठगुलाब' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

(6) भाषा की दृष्टि से 'कठगुलाब' की समीक्षा कीजिए ।